मैं कान्हा कान्हा रटता फिरूँ | By Sonu Rajasthani

श्याम ने जब कृपा दृष्टि डाली

पहुंचा जिस दम मैं बन के सवाली

भर गई तब मेरी झोली खाली

मैं कान्हा कान्हा रटता फिरू.....

है गजब शान खाटू के श्याम की

अब महर हो गई उसके नाम की

क्या कहूं अब मैं बाबा के धाम की

मैं कान्हा कान्हा रटता फिरू.....

फूलों से भक्तों ने जब सजाया

श्याम का रूप और जगमगाया

जिसने देखी छवि उसने गाया

मैं कान्हा कान्हा रटता फिरू.....

तुमने बिनती सुनी मेरी सारी

तुमने लाखों की विपदा जो टारी

अब तो जीता जो बाज़ी थी हारी

मैं कान्हा कान्हा रटता फिरू.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%9f%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%ab%e0%a4%bf/